



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 147]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 4, 2006/आषाढ़ 13, 1928

No. 147]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 4, 2006/ASADHA 13, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 2006

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

विषय :— चीन जन. गण. से फॉस्फोरिक एसिड-तकनीकी ग्रेड एवं खाद्य ग्रेड के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरूआत

फा. सं. 14/7/2006-डीजीएडी.— यतः मै0 गुजरात एल्कलीज एंड केमिकल्स लि0, बड़ौदा और सोलारिस केमटेक लि0, करवर (जिसे एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिन्हें एतदपश्चात् नियम कहा गया है) के अनुसार विनिर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष संयुक्त रूप से आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित फॉस्फोरिक एसिड-तकनीकी ग्रेड एवं खाद्य ग्रेड (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच प्रारंभ करने का अनुरोध किया गया है।

और यतः प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य उपस्थित हैं और वे एतद्वारा किसी कथित पाटन की उपस्थिति, मात्रा एवं प्रभाव का

निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन एवं परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति की जांच प्रारंभ करते हैं।

2. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

विचाराधीन उत्पाद चीन जनवादी गणराज्य के मूल का अथवा वहाँ से निर्यातित फॉस्फोरिक एसिड-तकनीकी ग्रेड एवं खाद्य ग्रेड (अर्थात् औद्योगिक ग्रेड को छोड़कर) है। फॉस्फोरिक एसिड एक अकार्बनिक रसायन है जिसका प्रयोग सोडियम फॉस्फेट, कैल्शियम फॉस्फेट, मैग्नेशियम फॉस्फेट, अमोनियम फॉस्फेट आदि के उत्पादन में किया जाता है। संबद्ध वस्तु का प्रयोग भेषज अनुप्रयोगों, पेय पदार्थों, बीज प्रसंस्करण, गन्ने के रस की सफाई तथा चीनी के शोधन, खाद्य फॉस्फेट विनिर्माण आदि में भी किया जा रहा है। उत्पाद सीमाशुल्क वर्गीकरण शीर्ष 2809.20 तथा भारतीय व्यापार वर्गीकरण के अनुसार संख्या 2809.20 20 पर वर्गीकृत है। तथापि, सीमाशुल्क एवं आई टी सी एच एस वर्गीकरण सांकेतिक मात्र हैं और किसी भी प्रकार से वर्तमान जाँच पर बाध्यकारी नहीं है।

आवेदकों ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु चीन जन गण के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित वस्तु के समान है। आवेदकों द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं में कोई विशेष अंतर नहीं है और वे तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु को नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देश से आयातित उत्पाद के समान वस्तु माना जा रहा है।

3. घरेलू उद्योग

मै0 गुजरात एल्कलीज एंड केमिकल्स लि0 बड़ौदा और सोलारिस केमटेक लि0, करवर द्वारा संयुक्त रूप से आवेदन दायर किया गया है। इन उत्पादकों ने वर्तमान जांच के संगत सूचना उपलब्ध कराई है और उन्होंने प्रस्तावित जांच में भाग लेने के लिए सहमति प्रदान की है। इन आवेदक कंपनियों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक है। मै0 एस टी एस केमिकल्स तथा स्टार केमिकल्स समान वस्तु के अन्य उत्पादक हैं। प्राधिकारी ने निर्धारित किया है कि (क) दोनों याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनाता है; (ख) आवेदन का प्रत्यक्ष रूप से समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का हिस्सा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक है; और (ग) आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किया गया है।

उपर्युक्त की जांच करने के बाद प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि नियम 2 (घ) के साथ पठित नियम 2 (ख) के अर्थ के भीतर आवेदक घरेलू उद्योग बनाते हैं और आवेदन नियमावली के नियम 5 के रूप में स्थिति के मापदण्ड को पूरा करता है।

4. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य है।

5. सामान्य मूल्य

आवेदकों ने दावा किया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए और उन्होंने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 व 8 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में परिकलित मूल्य या कीमत अथवा ऐसे तीसरे देशों से अन्य देशों को कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है क्योंकि आवेदकों के लिए संगत सूचना उपलब्ध नहीं थी। भारत में उत्पादन लागत, जिसे बिक्री, सामान्य, प्रशासनिक ऊपरी खर्चों तथा उचित लाभ सहित के लिए उचित रूप से समायोजित किया गया है, पर विचार करके याचिकाकर्ताओं ने सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार, हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा इस अधिसूचना में दी गई विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु किसी उचित अनुरूप देश का सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

6. निर्यात कीमत

याचिकाकर्ताओं ने आई बी आई एस (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आसूचना प्रणाली) द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदेवार आयात आंकड़ों के आधार पर प्रस्तावित अवधि में भारत औसत आयात कीमत के रूप में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत के संबंध में दावा किया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा और निर्यात के देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग और पत्तन प्रभारों के आधार पर समायोजनों का दावा किया गया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं।

7. पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की कारखाना द्वार स्तर पर तुलना की गई है, जिससे संबद्ध देश के संबंध में अत्यधिक पाटन मार्जिन प्रदर्शित होता है। इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य हैं कि चीन में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलता है कि चीन जन.गण. के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ताओं ने वास्तविक क्षति के संबंध में विभिन्न मानदण्डों से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है। संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में समग्र अर्थों में तथा भारत में उत्पादन

और खपत की तुलना में भी उल्लेखनीय वृद्धि, संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट, अत्यधिक कीमत कटौती, कीमत ह्रास, घरेलू उद्योग के लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय में अत्यधिक गिरावट से सामूहिक एवं संचयी रूप से प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलता है कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

9. पाटनरोधी जांच की शुरुआत

उपर्युक्त पैराग्राफों के मद्देनजर निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, सीमा और प्रभाव की जांच हेतु पाटनरोधी जांच शुरू करते हैं।

10. जांच अवधि (पी ओ आई)

वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पी ओ आई) 1 अप्रैल, 2005 से 31 मार्च, 2006 (12 महीने) तक थी। तथापि, क्षति जांच अवधि में वर्ष 2002-03, 2003-04, 2004-05 की अवधि और जांच अवधि शामिल होगी।

11. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देश के निर्यातकों और उनकी सरकारों को भारत में उनके दूतावासों और प्रतिनिधियों के जरिए, भारत में ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग से निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत करने और अपने विचारों से अवगत कराने के लिए इस पते पर लिखने का अनुरोध किया गया है:-

निर्दिष्ट प्राधिकारी,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
वाणिज्य विभाग,
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय (डी जी ए डी)
कमरा सं०-240, उद्योग भवन,
नई दिल्ली-110011

उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के औद्योगिक प्रयोक्ताओं और प्रतिनिधिक उपभोक्ता संगठनों को पाटन, क्षति और कारणात्मकता के संबंध में जांच से संगत सूचना उपलब्ध कराने का अवसर भी प्रदान कर रहे हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समय-सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र और

12. समय-सीमा

वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपर्युक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए तथापि वे ज्ञात निर्यातक एवं आयातक जिन्हें, अलग से लिखा जा रहा है, वे उन्हें भेजे गए पत्र की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर सूचना प्रस्तुत कर सकते हैं।

13. सूचना प्रस्तुत करना और सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराना अपेक्षित होता है, और यदि सूचना उपलब्ध कराने वाली पार्टी के विचार में ऐसी सूचना को संक्षिप्त नहीं बनाया जा सकता, तो उसके कारणों को इंगित करते हुए, एक विवरण उपलब्ध कराया जाना अपेक्षित है। कोई हितबद्ध पार्टी दूसरे हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है। यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे उपलब्ध नहीं कराती है या जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

1995-GJ/06-2

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 4th July, 2006

Initiation Notification

Subject :— Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Phosphoric Acid-Technical Grade and Food Grade, from the People's Republic of China.

F. No. 14/7/2006-DGAD .—Whereas M/s. Gujarat Alkalies & Chemicals Limited, Baroda and Solaris Chemtack Limited, Karwar (hereinafter referred to as applicants) have jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules) alleging dumping of Phosphoric Acid -Technical Grade and Food Grade (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country) and have requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the subject country, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

2. Products under consideration and Like Article

The product under consideration is Phosphoric Acid-Technical Grade and Food Grade (i.e. excluding industrial grade) originating in or exported from People's Republic of China. Phosphoric Acid is an inorganic chemical used for the production of sodium phosphate, calcium phosphate, magnesium phosphate, ammonium phosphate, etc. The subject goods are also being used in Pharmaceutical applications, beverages, seed processing, sugar juice clarification and sugar refining, food phosphate manufacturing, etc. The product is classified under Customs Tariff heading 2809.20 and at no. 2809.20 20 as per Indian Trade Classification. The Customs and ITC HS classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

The applicants have claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from China PR. There is no significant difference

in the subject goods produced by the applicants and those exported from subject countries and the two are technically and commercially substitutable. For the purpose of present investigation, the goods produced by the domestic industry are being treated as Like Article to the product imported from the subject country within the meaning of the Rules supra.

3. Domestic Industry

The application has been jointly filed by M/s. Gujarat Alkalies & Chemicals Limited - Baroda and Solaris Chemtack Limited - Karwar. These producers have provided information relevant to the present investigations and have consented to participate in the proposed investigations. The production of these applicant companies constitutes more than 50 % of total Indian production. M/s STS Chemicals and Star Chemicals are the other producers of the like article. The Authority has determined that (a) production of the two petitioner companies constitute a major proportion in Indian production; (b) domestic producers expressly supporting the application account for more than 50 per cent of total production of the like product produced by the domestic industry; and (c) the application has been made by or on behalf of the domestic industry.

The Authority after examining the above, determines that the applicants constitute domestic Industry within the meaning of the rule 2(b) read with 2(d) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

4. Countries involved:

The Country involved in the present investigation is People's Republic of China.

5. Normal Value

The applicants have claimed that China PR should be treated as non-market economy country and have proposed determination of normal value in accordance with Para 7 and 8 of Annexure I of the Anti Dumping Rules. The applicants have claimed that normal value could not be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country or price from such third countries to other countries for the reason that the relevant information is not accessible to the applicants. The normal value has been determined considering cost of production in India, duly adjusted to include selling, general, administrative overheads and reasonable profit for the purpose of initiation.

In accordance with Para 7 to Annexure-I of the Rules, interested parties are hereby invited to suggest any appropriate third country market economy country for determination of normal value in China within the time limit laid down in this notification.

6. Export Price

The applicants have claimed export price of the subject goods from the subject countries as the weighted average export price to India in the proposed period,

based on transaction wise import data provided by the IBIS (International Business Information System). Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance and inland transportation in the country of exports, port handling and port charges etc. to arrive at ex-factory export price. There is sufficient evidence of the export price for the subject goods from the subject country.

7. **Dumping Margin**

Normal value and export price have been compared at ex-factory level, which shows significant dumping margin in respect of subject country. There is, prima facie, evidence that the normal value of the subject goods in China is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from China-PR.

8. **Injury and Causal Link**

The applicants have furnished information on various parameters relating to material injury. Parameters such as significant increase in the volume of imports from the subject country in absolute terms as also relative to production and consumption in India, increase in the market share of subject imports and consequent decline in the market share of the domestic industry, significant price undercutting, price suppression, significant deterioration in profits, cash flow and return on investment to the domestic industry, prima facie, collectively and cumulatively indicate that the domestic industry has suffered material injury on account of dumping of subject goods from China-PR.

9. **Initiation of Anti-dumping Investigations**

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

10. **Period of investigation (POI):**

The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1st April 2005 to 31st March 2006 (12 months). The injury investigation period will however, cover the period 2002-03, 2003-04, 2004-05 and the period of investigation.

11. **Submission of information:**

The exporters in the subject Country and their Government through their embassies/ representatives in India, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are requested to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

The Designated Authority,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce,
Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties, (DGAD),
Room No. 240, Udyog Bhavan,
New Delhi-110011

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation and to representative consumer organizations who can furnish information which is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

12. Time limit

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty (40) days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within (40) forty days from the date of the letter addressed to them.

13. Submission of information and Inspection of public file

In terms of Rule 6(7) of the Rules, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority

1995 GI/06-3